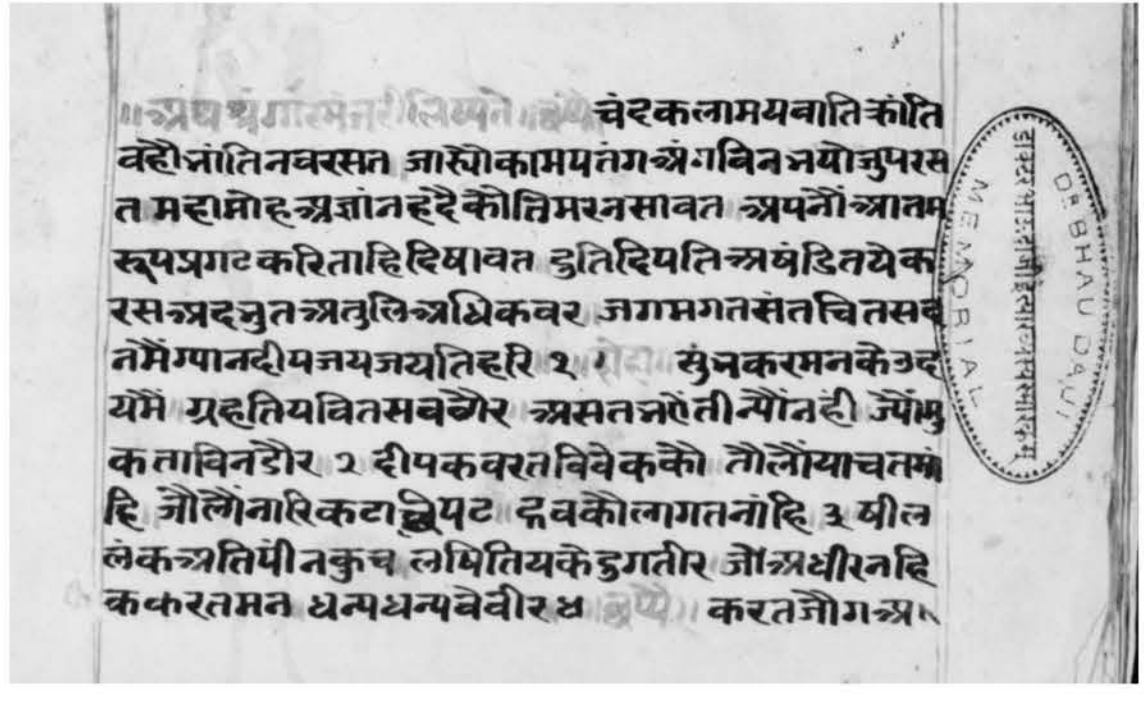
चेदकलामयबातिकांति
वहोजांतिनवरसत जास्योकामयतंगअंगविनभयोजुपरस
त महामोहअज्ञानहरैकोतिमरनसावत अपनोंआतम
रूपप्रगटकरिताहिदिषावत इतिदियतिअखंडितयेक
रसअद्भुतअतुलिअधिकवर जगमगतसंतचितसद
नमैंगणानदीपजयजयतिहरि २ ॥ सुनकरमनकेउद
यमैं ग्रहतियचितसवशेर असतभएतीत्यौंनही ज्यौंमु
कताविनडोर २ दीपकवरतविवेकको तौलौंयाचतमा
हि जौलौंनासिकटाछेयट दृवकोलागतनोंहि ३ शील
लेकअतिपीनकुच लषितियकेडुगतीर जोंअधीरनहि
कंकरतमन धन्यधन्यवेवीरथ करतजोगअ॰

प्रासत्रापमनवसकरिराख्यो॥परब्रह्मसोप्रीतप्रगटजिन
यहसुमचाख्यो॥तिनकोंतियसंग काहासुखवातनकैहै
॥काहाअधरमधुपांन कासूलोचनछविछैहै॥मुखकम
लस्वाससौंगंध काहा कठिनकुचकोपरस परिरंभनचुंब
नलूंकाहाजोगीजनमनए करस५ ॥ दोहा॥ पेडित
जनजवनवकहतातिमतिजिवेकीवात करतश्रावक
वादवहतजिनैकनहिजात तजीनैकनहिजातछविकन
वरनवर कमलपत्रसमनैननवेनवोलतअमृतझर सोह
तमुखमरुहास्यअंगआभूषणमंडित॥ऐसीतियसौंतजै
कौनथौंऐसोपंडित॥६॥दोहा॥मदगजकुंजहिसीहसिर
करैसस्त्रपरिहार मदनराजजीतेइसो पुरसनहिसंसार ७ १

रसमैंत्यौंहीरसमैं दरसतश्रोपअनूप बालनिचलनचि
चौनमैं वनितावेधनरूप ए नेपरकंकनकिंकनी वो
लतअमृतवैन काकोमनवसकरतनहि मृगनैंनिन
कैनैंन ए तीनलोकतिहुंकालमैं माहामनोहरिनारि
इसहूकीदातायहै देषोसोचविचारि २९ कोमलिक
सकतसहजमैं मूरषमानप्यार सहसुगंधितकुमुदनी
॥जोरा अंधगवार २२ अस्त्रकामकोकामनी जोनहि
होतोहाथ तोकहूंसिरननवावतो तपकरिहोतसु
नाय २२ वनमृगीनकैंनैनकी हरेत्रणंजोलेहु अथवा
पीरेपानके वीरावधुवनदेहु २३ जहिपिनीरसनीदअति
युवतीजनकोसंग तऊपुन्यतैपाय ए महामनोहरअंग

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra

२५ जैदेयी मीरसनोदश्रीते॥ नीतमवचनसुनिश्रनघतजि
करदुकाजलहिनेव कैतोसेवोगिरवरन केकांमनि
कुचसेर २५ श्रीरवातसनोसवैं मुष्मवातए होय के
तियजोवनमेरमें केवनवाशीहोय २६ ॥ कहिक
रिवाकेनैनहमहितकहानिहारत करतहयाहीखेदवा
दतनवसनसवारत हमवचनवाशीलोगवालपनयोयो
वनमें लजीजगतकी श्रासकामनोरहीनमनमें श्र
केसमानजोनतजगतमोहजालतोश्रोतमकि श्रा
नेदश्रयंउतियायहमरहेप्रानकीछाकाछकि २७ दो
॥ किहकमनहीरतडगन कमलनयनयहनारि मो
हकाममेरैनही तऊनतियचितहरि २८ त्रसनासे २

धुश्रगधिकोकोऊनपावतपार कामतिजोवनहीनपरि
प्यारनछोडतयार २९ घटाचढीसिरमोरगिर हरीनई
सवभूमि विरहीदुगडारेकहा देमिरहेजियभूमि ३०
॥ श्रलपसारससारतहोदेवातसिरोमनि गुनान
श्रमृतकेसिंधुमगनकैरहेकुवनि नित्यनित्यविचा
रसहितसबसाधनसाधकेयहनोटानारिधारिनर
मैं श्राराधे चैतन्यमदन श्रंकुसपरसिससकतकस
कतकरतएस रसमसतकंसकतविलसतहंसतईह
विधवीतेवकुदिवस २१ मीननोफकुचपीनेनैनये
कजसेराजत जोहैंकामवान चंदसोमुखछविछा
जत मदगयंदसीचालचलतचितवतचितचोरत॥

ऐसी नागिनि सिंहनि हरिहाथ पंडित जन जोरत अति।
हीमलीन सब चोर है चित गति नारी अनेक छल ताकौ
सप्रान प्यारो कहत अहो मोह महिमा प्रबल २२ कब
कुऔह कौ जेग कब कुल ज्याजुत दरसत कब कूसम
कति सेक कब कुलील रसबस रसत कब कुकुसुम मृदु
हास कब कुहित बचन उचारत कब कुकलोचन फेर
चपल चकुऔर निहारत छिन छिन चरनूं विचित्र करे
नरेक मल जिमद सदुदिस ऐसी अनूपनारी निरषि
हरषि रहिए दिवस निस २३ करत चंदन विमद बद
न अदभुत छबि अत कमल निवि हसति नैन नैन दि
नप्रफुलित राजत करत कनकदुति हीन अंग आनां ३

अति उमगति अलक निजीते और कुचन कि कुंजकी
येहति मृदुता मरोर मोसुमन मुषसुवास मृगमद करन
ऐसी अनूपतिय रूपलषि ब्रह्म यूपन हिंग्रत मन २४
दोहा॥ नहि विषनहि अमृत कछू येकतियातू जान।
मिलवे मैं अमृत नदी विछुरे विष की षान २५॥ इति॥
करत चतुरता और हनयन हूं नचत चितैवो। प्रगट तवि
तकौ चाव चौपसौं मृदु मुसिकैवो। हुरत मुरत सकुचा
तगात अरसात जम्हावत उडकत इत उत देषि चलत
वटकत छबि बावत यह अनूपनतिय नके अंग अंग
सोनाधरन अरुयेही सस्त्र समानहै जुवजन मन मृगव
धकरन २६॥ दोहा विहसत वरसत फूलसे दरसत औ

यश्रलीक यस्स तस्री मतिगतिहरत रमनी श्रतिरमनीक
२१ सुधिश्रायेसुधिबुधिहरत दरसतकरतश्रचेत ष
रसतमनमोहितकरत यहप्यारीकिहहेत २६ छप्पै ष
रमश्रमकौनौरनवनहैगहगरनको श्रनुचितकत्तकौ
सिंधकोसहैदोसश्ररबको प्रगटकपटकोषोटधेत
श्रप्रतीतकरनको सुरसुरकोवटपार नरकपुरद्वारन
रकको यहजुवतेजत्रकौनैरच्यौमहाश्रमृतविषसौं
भरयौ थिरचरनकिनरसुरश्रसुरसबकेगरवधनक
स्यौ २७ इंद्रीदमलज्ञानविनय तोलौंसुनसेवंकरूप
जौलौंनारीनयनसर छेदतनाहिमरम ३० श्रधरम
धुरमधंसहित मुषकुतोसवनसिरमोर सौश्रवधि

गरेफलनजप्यौं ज्यौ श्रौरसंत्रौर ३१ छप्पै तौश्रसारसंसार
जोनिसंतोषनतजहै नीरनारकेनरेश्वरकौं चूसिनजनते तु
ष्णिविवेकनिदानमानश्रपनौंनहिदेते कुकविरानौंरासिलषसंप
तनहिलेते जौनहिहौतीससिमुषीम्रगनैनीकेहरकटी छविजयी
छटाकेसीछटीरसलपटीछूटीलटी ३२ श्रगनैनीकेहाथश्ररग
जावेदनलायत ब्रुटतफुहारेदेषियुष्पसज्यावितावत चारुचं
दनीचंदमुदमारुकैश्रेवो वजतवीनपरवीनसंगगायनकोगे
वौ चांदनीऊजेरमहलकीनिषतचितगतिश्रतिहरत पुरषन
कौंग्रीषमविषमभैएमदमदनहिविसतरत ३३ सवग्रंथनकेगा
नवोनश्ररनीतवोननर तिनमैंकौंनुकहोतमुकतमणिगमैतत
पर सवकैंदेतबहायवेकनैनीयहमारी जाकीवोकीजौंहन

चत अतिही अतियारी। मरकुची नरक कपाट के मोलनकों।
नग्न कडैत फिरत। जिन केनलगत मनडुगनमैं वेही जगंव
सागर तिरन। ३४। तिवली तरलतरंग लसत कुचच क्रवाक
सम प्रफुलित आननकंजनारि यहनदी मनोहर। महा नयान,
कचालस नवमागरसन मुष। हाथ धरतही औचि जात जित
कौं अपनौ रूप। संसार सिंधु चाहत सो। तो त्या सौं दूरि रहि।
जाकौ प्रवाह अतिही प्रबल मैं कनहातही जात छहि। ३५। कंप
ननिरंतर गोन तानसुनवोही चाहत। लोचन चाहत रूपैरैन दि
नरहत सराहत। नासा अतरसुगंध चहत फूलनकी माला। र
चाहत सुष सजसंगकौ मलतनवाला। रसनां चाहत रहत रहै
तनित षाटेमीठे चरपरे। दूनयेन्वनयरपं चसौ। रूपनकौं निरु ५

कक रे। ३३। मोर वा। जौनहिहोतीनारि। तौतऊवौजगमैंसुगम।
यहलवीसरवा। मारलेत अभवीचही। ३१। कुंदलिया। येरेमन
मेरे तूनाजाकुइहठौर। तरुनीतनननसयनमैं। कुचपरवतव
रजोर। कुचपरवतवरजोर चोरइकना हांवसतहै। करमैलपैम
मानवानयाचौवरसतहै। लूटिलेतससौवेजपकरिकरिराषतवै
रे। मूदैनैननअरकानचलै तौत। कितकौंयेरे। ३०। छप्पै। यहजौव
नधनरूपसदासीचतसिंगारत। कीडारसकोसोतचतुरतार
तनरेतकर। नारीनयनचकोरचौपकोचंदविराजत। कुसमायु
धकौवैधरै एकसोजाकौ जाजत। औसोजोवनपायकैं जेनहिथ
रतविकारमन। वेधरमधुरंधरधीरमनसूरसिरोमनैसनजन
। ३९। इहिनकोहितधंमकोमकोमित्रमहावर। नरकदुष्प

MAHARAJA OF BHAU DAJI

कौहेतुमोहकोवीजमनोहरूपोनसुधाकरसीससङ्गलसां
वकोवादरूनानाविभवकवारकरनकोवरोवहादरूसवही
अनरथकोमूलयहजोवनअकृतकोकवचयाविनोऔरकै ।
करिसकेसुदमुषपरस्यामकचश्र०॥कारहेदेषिवेजोगप्रिया
कोअतिप्रसनमुषकाहासुखिएसोप्रियस्वासमोगेधहरतसुख
॥काहादीजिएकोनप्रानप्यारीकीघातनकाहालीजियेस्वा
दअधरकेअमृतअयातनपरसिकहाताकोसुतनआनक
हाजोवनसुछविसवजोतिसकलसुषकोसदनजानिसुन
गावतसुकविश्र०॥जातहीनकुलहीनअंधकुछितकुरूप
मराजरासतरूसगासगलितकुष्टीअरपामरऐसोरूप
धनवांनहोयतौआदरवाकोअपनोंगतविछुयलेतरस ६

सरवसजाकोगनिकाविवेककीवेल्लकोकदनकरनवा
रीनिरषवचरहेबडेकुलवंतनररचतपचंतमूरषहरषि
।श्र२॥नोरठा॥गनिकाकेमृदुओंठिकोकुलीनचुंवनकरे॥
नटनटविटवगजोउपीकपात्रहैसवनको।श्र३॥दोहा॥ग
निकाकनिकाअगनकीरूपसमुद्रिमजवूतहोंमकरतको
मीपुरसजोवनधनआकूत॥श्र४॥रितवसंतकोकिलकुह
कत्यौंहोपवनअनूपखिरहविद्याकेपरतहीं॥होतअमृत
विषरूप॥श्र५॥बुद्धिविवेककुलीनता।तचहीलोंमनमां
हिकामवानकीअगनितत्तजौलौंनजकतनोंहि॥श्र६॥
॥विधिहरिहरिकूकरतहैंमृगनैननिकीसेव॥वचनअ
गोचरचरितगतजोकुसमसरदेव॥श्र७॥इंदुलिषा॥को

मनिमुक्तकोमकी सकलश्रृंगारकौदेत सूरस्यामकौतजत
हैं झूलेफलकेहेत झूलेफलकेहेततजतितनहीकौंडारे
गहिगहिमूंडे मूंडवसनविनकरकरछोडे नगकोकरिकरी
गातजटिलकेजागत जोमनि नीषमांगकैंयातकहतहम
छोडीकोमनि ४० दोहा कोमकीरजवसिधूमैं बेसीडा
रीनारि मीनजरनकोगहिमचत प्रेमअगनिकोवारि ४१
मृगनैनीहेसरहसिमैं हितवचननिसुखदेत करतकाम
कौंउहितअति कछुअरुझत हसिलेत ४२ केसरसौअंगिय
सनी बनीनयनकीनौंक मिलीप्रानप्यारीमनोप्रेरआ
योसुलोक ४३ केसरैचरचितपीनकुच्च टर
कतमुकताहार लूपरऊनकतनचतदुग लकेचेतकरिमु

कुमार लसतकतकटिसुकुमारछूटीअलकैंछविछलकैंमु
रिमौरतगातझुरतविछुरतसीपलकैंदे लसतहंसतसीजौं
हफसतचितनिरषतवेसरि अतुलितअद्भुतरंगअंगसी
नाहिनकेसरि ४२ दोहा कांमनिकोंअबलाकरत वेमतिमू
ढअचेत इंद्राकदिनीतेउगन सौअबलाकिहहेत ४३ अ
रुअधरकुचकटिनउग जौंहचपलदृपदेत सुथिरसूरो
मावली तायकरतकहहेत ४४ मनमैंकछुवातनकछूनै
नैनमैंकछुऔर चितकीप्रीतिकछुऔरहीयरप्यारीकिह्
वौर ४५ नारिनकीनिंदाकरत वेपंडितमतिहीन सुरगम
येतिनकोंसुनैं सदा अवछरालीन ४६ नारिबुरहीतरु
तरै जाठीससिसौं जागि बेदकिरनकौंचीरसौं दूरक

रतदुखपागि॥५१॥ ॥ ॥ विनदेखैंमनहोतघाहिकैसैंकरदे
यैं॥देखेसौंचितहोतअंगआलिंगविसेषैं॥आलिंगनतैंहो
तयाहितनमयकरिराषैं॥जैसैंजलअरद्रथयेकरसत्यो॥
अनिलाषैं॥मिलिरहेतऊमिलवोंचहतकहानामयाबि
हकी॥वरन्योंनजातअद्भुतचरित॥प्रेमपाटकीगिरह॥
की॥५८॥मुलेकेसचकुंओरफैलिफूलनकेंनरसत॥
सदमरन्दकेनैंनडुरतअयरतसेद्रसत॥सुरतवेदकेसे
दकलितसुंदरकपोलगहि॥करतअधररसपांनपरम॥
अमृतसमांनलहि॥वेधन्यधन्यभुकतीपुरसनोत्रैसैंसरजे
रहत॥हितनरेरूपनोवननरेदंपतसुषसंपतलहत॥५९॥
॥दुहुलिया॥जैहैंनहिनोयथिकतजांहींमैंनिजनैंन॥तोति

यजियतनपाइहै॥करजैहैंवरगोन॥करिजैहैंकरगोमपोंनप
रवाईआऐं॥मोरनकोसुनिसोरघोषघनकेगहरायेदेषत
फूलेफूलेफूलहियरामैंफैहै॥चपलाचमकतचाहिआहि
करिकरिमरिजैहैं॥६०॥दोहा॥गोहगऐंकाहोतहै॥जोबहुरी
वतनांहि॥जीवतहैतोऊकहा॥घटाउचीननमांहि॥६१॥
जोनहोतसुषपरसपर॥विरहतकरतसमाज॥तोवैदोऊ
करतहैं॥कोमनिवाहनकाज॥६२॥छप्पै॥नानाकहिमुन
प्रगटकरतअनिलाषलाषजुत॥सिथलहोयधरधीरप्रेम
कीइछ्याकरत॥निरजयरसकोलेतसेजरनमेतहिमोहो
॥क्रीडामांहिप्रवीननारिसुकियामनमांही॥यहसुरतमो
क्षअलिहीसुरतकरतरतचितगतिदरैं॥कुलवधूका

मनीकेलकरिकरलश्रीकामकीसवटरैं ६३ दोहा जौलौंना
रीनयनहिगतौलौंश्रमतवेलदूरजएतेंजहरसमलगतविर
दकीसेलई धमेत्रजेत्रश्ररश्रापसौं खेदनमिटैवेदकामवो
नसौंचमतचितकैसैमिटिहैकेदई कामनिकुकमीकाम
यहनैननसैनप्रगटात तीनलोकजीत्योमदनताहिकरतनिज
हाथैं ६४ दीपश्रमनिमणिचेश्मो जगमगजोतिसुदार श्र
गनैनीकामनिचिनो लागतसवैसवेश्रध्यार ६५ चेश्कोो
तसमसुखलसतनीलमकेसहियास पुसपरागसमकर
लसैनारीरतनप्रकास ६६ छप्पै केसरहसमजोन्ब
दसोंसोहतश्रानन दादसमैंदैश्रकनैंनकेतरेश्रलको
नद मेदहासदेसुक्रवुध्यवानीकहिजांनौं सुरगुरजो

निश्चैरोजकरनमंगलहिवषानौं श्रतिमंदचालचौईमंदग
तिमहामनोहरजुवतयहसबहीफलदायकदेवियत्नजाकौ
सेवतनवौंग्रह ६७ दोहा जौंदैकारीकुटिलश्रतिहैना
गनिसमानकसतलसतश्रेसीमनौं फनकरदीरतयो
न ७० श्रतिश्रद्भुतकर्मनैंतियकरमैंवाननलेतदे
वीयहविपरीतगति गुनतैंवेधतचेत ७१ छप्पै श्रनुरा
गीजगमोहिएकसंकरसरसानैं मारवतीश्ररंगरहतनिस
दिनलपटानैं वीतरागजूयेकप्रगटश्रीरिषभनदेववरतन्पो
तियनकोंसदातपहीमैंततपर जडजीवश्रोरयाजतकेम
दनमहाठगकेवगेनहिविषैजोगनहिजोगजूयोंहीडोल
तडगमगे ७२ दोहा विधनोंदैश्रनुचितकरी दुष्टनरनत

नकोमल कुचदरकतङ्गजगतमैं जीवतरामीवोमल ७३ मैंचलैं
अंगोमनतैं तजतसरपविषलाग यहकैसोङ्गतरतनही
नारिनयनकोनाग ७४ विछुरनहीमैंमिलनदै जोमनमाने
हिसनेहविनोनेरुकेमिलनमैं तयजनविरहअछेद ७५
नारीनागनिनयनतैं डसतहरिरङ्गमिलत जतकरतज्यों
ज्योंचढत यहविषवढतविचित्र ७६ क्योंतेरेचितचढ्य
टी सोमासंपतिपाय पुत्रप्रातकोंपरपिर्के करेक्योंनम
नलाय ७७ ॥ ६ ॥ विरहीजनमनताइकर नवतअंबुचा
मोरैं पिकरूपचमटेरिघेरविरहीकियवोरे जोरहेजननाथ
पुहपपाटलकेमहकत प्रफुल्लित जणपलासदसों दिसदोंसीर
हकत मलियागिरवासीयचनङ्कोमअगनिप्रजुलितकर २८

तविनकेतवसेतअंसतज्यों घेरहेकङ्कनहिटरत ७८ दोहा
दमकतिदोमनिमेमङ्गतंकेतकपुहपविकास मोरसोरनिस
दिनरमैं विरहीजनमनत्रास ७९ नवतरुनोरतिमैंचतुर वि
जयकोमकोंदेत अदभुतकरतविलासमहचितकोचोरैं
लेत ८० कोकिलरवफूलीलता चैतचांदनीरैन प्रिमास
हितनिजमहलमैं सुकतीकरतसुचैन ८१ ससिवदनीअं
रसरदसी चेदनपुरुपसुगंध येरसकनिकेचितहरत सेत
नकेचितवंध ८२ महा अंधतमनमजलद दोमनिदमकि
डुरात हरषसोकदोऊकरत तियकोपियढगजात ८३
॥ छप्पै ॥ सेजमरायतनयनङ्कोंकाननचारी उरपरमुकतोंहार
रहतनिसदिनछविछायो अंननचंदउजासरूपउजलद

DR BHAU DAJI MEMORIAL

रसायो।तिरीतनतरुणीमदुलअतिचालचलतधीरजसहित
।।सवनांतिसतौगुनकोसदन।तऊकरतअनुरागचित
।।५५।।दोहा।।तवहीलौंमनमोनयह।तवहीलौंचूनेंग।जौ
लौंचेदनसौंमिल्यौं।यवननपरसतअंग।५५।पीनपयोधर
कौधरत।प्रगटकरतहैकाम।यावसअरण्यारीनिरखि।हरी
मतहोततमांम।५६।नजवादरअवनीहरति।कुटजकदेव
सुगंध।मोरसोररमनीकंसवकोसुषसेवेथ।५७।छप्पै।।महा
माहमैंत्रीतइतेपरजलभरवरसत।महनवाहरपावपरतनहि
अतिहीथरसत।कंपहोतजवगातततवहिप्यारीसंगसोवत।।
उठतअनंगतरंगअंगमैंअंगसमोवत।रतिखेदस्वेदछेदन
करनलाजरोधआवतपवन।दहनांतविलावतदुरदिवसवे

सुहृतीसुषकेजचन।५८।छकेमदनकीछाकमुदितमदिरा
केछाके।करतसुरतसरंगजंगकरिकछुयकथाके।यौं
ढिरहेलपटायअंगअंगनैमेंउरजे।वहोतलगीजवप्यास
तवहिचितचाहसुरजे।उठियतरातआधीगयेंशीतलज
लयासरदको।नरपुन्यवंतफललेतहैंनिजसुकृतकीफर
दको।५९।दोहा।।जिनकेयाहेमंतमैं।तियानतनलयलात
।।तिनकौंजमकेसदनसी।लागतहेयहरात।६०।सोरठा।।
दहीदूधघृतपांन।बसनमजीवहिरंगके।आलिंगनरत
दांनकेसरचरचहिमंतमैं।६१।छप्पै।।विलुलितकरत
सुकेसनयनझूंछिनछिनमूंदन।बसननअंचैलेतदेरहो
मोचनरूंदत।करतहरयकोकंपकहतमुषझूंसीसी।।

पीडाकरतहैंश्रीवचयाविकुनारिसरीसी॥यहरीतकालमैं
जोनिए अरजुतगतिधारतपवन॥निसदीसडुरेदवकेरहो
निजनारीसंगनिजभवन॥ए४॥चुंबनकरतकपोलमुखहि
सीकारकरावतहृदयमांहिभसजातकुचनपररोमवढावत
॥जेयनकोंयहरायवसनहूडूरकतजुकि॥लगेपारहतहैंसं
गकारकोंरोकिरहीतुकि॥यहसिसरपवनविटरूपधरिलिं
नगलिनभटकतफिरत॥मिलिरहेनारिनरथरनमैंयाकी
भटभेरनजिरत॥ए३॥८॥॥जोजाकेमनभावते॥ताकों॥
तासोंकाम॥कमलभनचाहतचादनी॥विकसतपरसतकाम
॥ए४॥वासकीजिएगेगहट॥मापहिवारतवारि॥कैकामनि
केकुचजुगलकों॥सेवनकरकुविचारि॥ए५॥कुंडलिया॥

जोवेसुखडुमरहैतहैं॥सुरस्त्रापामैंभन्य॥त्यागकीयोसंसा
रकों॥दजनिभगतभनेन्य॥दजनिथिभक्तिभनेन्यगुफा
हेमांचलसेवैं॥तपकरिजोवनछीनकीयोसुखहीमैंहैवैं॥
कुचकनोरकीनासिरूपजोबननषतेवे॥ताहिअंकमैंधारि
सेजसोवतधन्यजेवे॥ए६॥दोहा॥यहोपमालपेषायवनवे
दनचेदसुनासिवेठिचांदनोजलदहरि॥जिवनहिनपटधा
रि॥ए७॥भरनमैंअमृतवसतकुचकरतावास॥योतैंय
नकोलेतरस॥नकोमरदनत्रास॥ए८॥जैसेरोगीपथिकों॥मा
योजोनतनोहि॥तैसेहीतियमुषनिरषि॥रुचमानतमनमोहि
॥ए९॥महामनयाप्रेमकों॥कवतियकरतउदोत॥जवबा
केछलबलनिरषि॥विरहूकाकोयरहोत॥१००॥काहूके

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra

वैराग्यरुचि॥ काहू कैं रुचि नीत॥ काहू कैं सिंगाररुचि॥ जुरी
जुरी पर तीत॥ २०१॥ यह श्रृंगार की मंजरी॥ पढ़ तहो तचित धी
र॥ सुनत सुनत वा चत्त लिख त॥ हरत जगत की पीर॥ २०२॥
इति श्रीमन महाराजाधिराज राजराजेंद्र श्रीसवाई प्रतापसिंघजी॥
देवविरंते श्रृंगारमंजरी सतक संपूर्ण॥ ॥श्रीरस्तु॥ ॥श्री॥